Title: **h Regarding objections to inclusion of persons of non-Balmiki category in the 'Rashtriya Safai Karmchari Aayog'**

श्री कि्शन लाल दिलेर (हाथर्स) : अध्यक्ष महोद्य, दिनांक 15-12-2004 को जन्तर-मन्तर पर हजारों ्बाल्मीकि्यों ने जिनमें उत्तर प्रदे्श, पंज्ाब, हरि्याणा â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please maintain order in the House. The hon. Member is speaking. We should hear him.

श्री कि्शन लाल दिलेर : जिनमें, उत्तर प्रदे्श, हरि्याणा, पंज्ाब और दिल्ली के लोग थे। हजारों हजार लोगों ने प्रद्र्शन कि्या था और ्वे मांग कर रहे थे कि ्सफाई कर्मचारी आ्योग में जो गैर-्बाल्मीकि लोग रखे गए हैं उन्हें नहीं रखा जाना चाहिए।

महोद्य, मेरा आपके माध्यम ्से कहना है कि ज्ब इस आ्योग का गठन हुआ था त्ब ्यह त्य कि्या ग्या था कि ्सफाई कर्माचारि्यों का मैला ढोने का काम खत्म कर दि्या जाएगा, उनकी ्सम्स्याओं को आ्योग के द्वारा ्सुलझा्या जाएगा, लेकिन अ्ब ज्ब इस आ्योग में गैर-्बाल्मीकि लोग रखे जा रहे हैं, तो ्वे ्बाल्मीकि्यों की ्सम्स्याओं को कै्से जान पाएंगे ? ्वे उनकी ्सम्स्याओं को नहीं जानते हैं। ्वे उनकी कठिनाइ्यों को ्समझते नहीं हैं। इसलिए ्वे क्या ्बताएंगे और कि्स प्रकार ्से उनकी ्सम्स्याओं का ्समाधान करेंगे ? इस्से तो ्वह कहा्वत चरितार्थ होती है कि " घो्सी की भैंस ्ब्याए और कलंदर ्शीरनी ्बांटे " ज्ब ्वे उ्स ्समाज की ्बातों को, उनकी ्सम्स्याओं को, उनकी ज्रूरतों को और उनकी कठिनाइ्यों को जानते ही नहीं हैं, तो ्वे उनकी ्सम्स्याओं का ्समाधान कै्से करेंगे ?

महोद्य, मेरा नि्वेदन है कि ्सफाई कर्मचारी आ्योग में ्बाल्मीकि ्समाज के ही लोग रखे जाएं और उ्स आ्योग के ्सात ्सद्स्यों में ्से के्वल चार ्सद्स्य ही नि्युक्त कि्ए गए हैं। मेरा आग्रह है कि ्शे्ा तीन ्सद्स्यों की नि्युक्ति भी ्बाल्मीकि्यों में ्से की जाए।

MR. SPEAKER: Thank you.